Faculty members of SVSU and HESK signing an MoU on Friday.

SVSU signs MoU with HESK

Excelsior Correspondent

JAMMU, Mar 17: Shri Vishwakarama Skill University (SVSU), Haryana today signed a Memorandum of Understanding (MoU) with Hindu Education Society Kashmir (HESK).

A press statement said that the purpose of the understanding was to promote mutual cooperation between SVSU and HESK for skill development through short term programs, assessment and certification and establish a framework for exchange and collaboration in the areas of skill education, implementation of Government projects and short term programs.

It said that the students aiming to make a career in the skill development sector will benefit from the programme and provide specialisation across different programmes, including short terms courses like Python programme, Google Ads Specialists, Business Development representatives and Data Entry operator.

The full 4-6 months programmes is designed to strengthen the basics and fundamentals of professionals while providing them on-the-job training across diverse skill development sectors to provide a competitive edge.

Prof BL Zutshi, President HESK stressed on how skilling and education can pave the way to India's success. He said, "our youth are talented, energetic, and ready to embrace new opportunities."

"This collaboration between SVSU and HESK will further augment the skill set of our youth and set the skill development sector on the road to success," he said.

Prof Verinder Rawal, General Secretary of the Hindu Education Society Kashmir, stated that Gandhi Memorial College has been dedicated to building an inclusive learning environment for the last many years and hoped that this collaboration with SVSU would provide the students with an opportunity to develop their capacities and shape their futures.

Danik Savera
17-2-2023

दैनिक सवेरा
टाइम्स

जम्मू-कश्मीर में होगा कौशल का विस्तार: राज नेहरू

श्री विश्वकर्मा कौशल विवि और 80 साल पुरानी हिंदू एजुकेशन सोसायटी कश्मीर के बीच हुआ एमओयू

श्री विश्वकर्मा कौशल विवि और 80 साल पुरानी हिंदू एजुकेशन सोसायटी कश्मीर के बीच करार करते पदाधिकारी।

सवेरा ब्यूरो

चंडीगढ़, 16 फरवरी श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय और हिंदू एजुकेशन सोसायटी कश्मीर के बीच एक ऐतिहासिक करार हुआ है। विश्वविद्यालय के सहयोग से 80 साल पुरानी हिंदू एजुकेशन सोसायटी कश्मीर के गांधी मेमोरियल कॉलेज में शॉर्ट टर्म कोर्स चलाए जाएंगे। एमओयू के माध्यम से जम्मू-कश्मीर में स्किल एजुकेशन और रोजगार के नए रास्ते खोलने की दिशा में महत्वपूर्ण काम होगा। जम्मू-कश्मीर के हजारों युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार के साथ जोड़ा जाएगा। इसे सिरे चढ़ाने के लिए जम्मू-कश्मीर की फैकल्टी को प्रशिक्षण देकर स्किल एजुकेशन के साथ उनका तारतम्य बनाया जाएगा। सोसाइटी जम्मू एवं कश्मीर की सबसे पुरानी शिक्षा समितियों में से एक है। यह समिति विश्वविद्यालय के सहयोग से अब जम्मू-कश्मीर में स्किल एजुकेशन और रोजगार पर बड़े पैमाने पर काम करेगी। वीरवार को विवि के कुलपति राज नेहरू की उपस्थिति में कुलसचिव प्रो. आरएस राठौड़ और हिंदू एजुकेशन सोसायटी के अध्यक्ष प्रो. बीएल जुत्शी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

जम्मू-कश्मीर में कौशल से रोजगार के नए अवसर होंगे पैदा, हजारों विद्यार्थियों को कुशल बनाने का लक्ष्य

सोसायटी ने की कौशल शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल

सोसायटी ने समय की जरूरत को देखते हुए अब कौशल शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल की है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के साथ एक एमओयू साइन किया है। यह एक सुखद संयोग है, जब सोसाइटी के अध्यक्ष विश्वविद्यालय के साथ एमओयू साइन कर रहे थे। उनके छात्र रहे राज नेहरू कुलपति के रूप में उनके सामने खड़े थे। जुत्शी ने अत्यंत भावुकता के साथ कहा कि हमारी एजुकेशन सोसायटी ने समाज को जो दिया है, राज नेहरू उसका एक अनुपम उदाहरण हैं। अपने विद्यार्थी को एक कुलपति के रूप में पाकर और उनके ही विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कुलसचिव की सराहना की। इस पहल से पूरे जम्मू एवं कश्मीर के हजारों विद्यार्थियों को फायदा होगा। राज नेहरू ने कहा कि हम देश के सभी राज्यों में कौशल शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में तत्पर हैं। इस कवायद से जम्मू-कश्मीर में स्किल एजुकेशन और स्वरोजगार के प्रति एक अच्छा वातावरण तैयार होगा। सोसायटी कश्मीर के साथ विश्वविद्यालय का एमओयू जम्मू कश्मीर के युवाओं के करियर के लिए बेहद निर्णायक साबित होगा। जम्मू-कश्मीर के तकनीकी शिक्षा से जुड़े शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर उन्हें और अधिक कुशल बनाया जाएगा। साथ ही जम्मू-कश्मीर के संस्थानों और युवाओं को इंडस्ट्री के साथ मजबूती से जोड़ा जाएगा ताकि वह रोजगार के नए अवसरों का फायदा उठा सकें। विद्यार्थियों के लिए 5 शॉर्ट टर्म कोर्स चलाए जाएंगे। जम्मू-कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए अपने विश्वविद्यालय में सभी कोर्स में दो-दो सीटें भी आरक्षित की हैं। विद्यार्थी यहां आकर नियमित कोर्स कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने कहा कि एमओयू के तहत जम्मू डिविजन में कौशल शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। इन शॉर्ट टर्म प्रोग्राम में योग, अकाउंटिंग एंड फाइनेंस, रिटेल व टेली सहित पांच कोर्स करवाए जाएंगे। संयुक्त निदेशक अंबिका पटियाल ने बताया कि इन शॉर्ट टर्म कोर्स को लागू करने में विश्वविद्यालय हर प्रकार का सहयोग सुनिश्चित करेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक प्रो. ज्योति राणा, इंडस्ट्री इंटीग्रेशन के संयुक्त निदेशक विनीत सूरी, स्किल इनोवेटस फाउंडेशन के संयुक्त निदेशक अम्मार खान, एसीडी के बिजनेस हेड सरोज मिश्रा, कुलपति के ओएसडी संजीव नायल, सहायक कुलसचिव शिखा गुप्ता व ईशा वार्ष्णेय भी मौजूद रहे।

कौशल विश्वविद्यालय और 80 साल पुरानी हिंदू एजुकेशन सोसायटी कश्मीर के बीच हुआ एमओयू

जम्मू-कश्मीर मे कौशल के माध्यम से रोजगार के नए अवसर पैदा करने की कवायद, हजारों विद्यार्थियों को कुशल बनाने का लक्ष्य

भगतसिंह तेवतिया

पलवल। विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय और हिंदू एजुकेशन सोसाइटी कश्मीर के बीच एक ऐतिहासिक करार हुआ है। विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के सहयोग से 80 साल पुरानी हिंदू एजुकेशन सोसाइटी कश्मीर के गांधी मेमोरियल कॉलेज में शॉर्ट टर्म कोर्स चलाए जाएंगे। इस एमओयू के माध्यम से जम्मू-कश्मीर में स्किल एजुकेशन और रोजगार के नए [illegible] की दिशा में महत्वपूर्ण काम होगा। जम्मू कश्मीर के हजारों युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार के साथ जोड़ा जाएगा। इसको सिरे चढ़ाने के लिए जम्मू-कश्मीर की [illegible] को [illegible] देकर स्किल एजुकेशन के [illegible] तालमेल बनाया जाएगा। हिंदू एजुकेशन सोसाइटी जम्मू एवं कश्मीर की सबसे पुरानी शिक्षा [illegible] में से एक है। यह संस्थान विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के सहयोग से अब जम्मू-कश्मीर में स्किल एजुकेशन और रोजगार पर बड़े पैमाने पर काम करेगा। [illegible] को विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू की उपस्थिति में कुलसचिव प्रो. आरएस राठौड़ और हिंदू एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. [illegible] जुत्शी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। हिंदू एजुकेशन सोसाइटी कश्मीर देश की आजादी से पहले अस्तित्व में आई और जम्मू एवं कश्मीर में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। सोसायटी द्वारा संचालित गांधी मेमोरियल कॉलेज ने देश को कई बड़ी हस्तियां दी हैं। सोसाइटी ने समय की जरूरत को देखते हुए अब कौशल शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल की है। इसी कड़ी में देश के पहले राजकीय कौशल विश्वविद्यालय विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ एक एमओयू साइन किया है। यह एक सुखद संयोग ही है जब हिंदू एजुकेशन सोसाइटी कश्मीर के अध्यक्ष डॉ. [illegible] जुत्शी श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ यह एमओयू साइन कर रहे थे, उनके छात्र रहे राज नेहरू कुलपति के रूप में उनके सामने खड़े थे। डॉ. [illegible] जुत्शी ने अत्यंत भावुकता के साथ कहा कि हमारी एजुकेशन सोसायटी ने समाज को जो दिया है, राज नेहरू उसका एक अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अपने विद्यार्थी को एक कुलपति के रूप में पाकर और उनके ही विश्वविद्यालय के साथ यह एमओयू करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। इसके लिए उन्होंने विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू एवं कुलसचिव प्रो. आरएस राठौड़ की सराहना की। श्री जुत्शी ने कहा कि इस पहल से पूरे जम्मू एवं कश्मीर के हजारों विद्यार्थियों को फायदा होगा। विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू ने कहा कि हम देश के सभी राज्यों में कौशल शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में तत्पर हैं। इसी क्रम में जम्मू एवं कश्मीर की सबसे पुरानी संस्थाओं में से एक हिंदू एजुकेशन सोसायटी कश्मीर के साथ एमओयू साइन किया है। इस कवायद से जम्मू- कश्मीर में स्किल एजुकेशन और स्वरोजगार के प्रति एक अच्छा वातावरण तैयार होगा। हिंदू एजुकेशन सोसायटी कश्मीर के साथ श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का यह एमओयू जम्मू कश्मीर के युवाओं के करियर के लिए बेहद निर्णायक साबित होगा। जम्मू कश्मीर के तकनीकी शिक्षा में जुड़े शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर उन्हें और अधिक कुशल बनाया जाएगा। साथ ही इसके माध्यम से जम्मू कश्मीर के संस्थानों और युवाओं को इंडस्ट्री के साथ [illegible] से जोड़ा जाएगा ताकि वह रोजगार के नए अवसरों का फायदा उठा सकें। श्री नेहरू ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए वहां पर 5 शॉर्ट टर्म कोर्स चलाए जाएंगे। कुलपति राज नेहरू ने कहा कि जम्मू- कश्मीर के विद्यार्थियों के लिए हमने अपने विश्वविद्यालय में सभी कोर्स में दो-दो सीटें भी आरक्षित की हैं। वहां के विद्यार्थी यहां आकर नियमित रूप से भी कोर्स कर सकते हैं। इस मौके पर इन्होंने अपने शिक्षक रहे डॉ. [illegible] जुत्शी के साथ अपने [illegible] अनुभव भी साझा किए। विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. आरएस राठौड़ ने कहा कि इस एमओयू के अंतर्गत गांधी मेमोरियल कॉलेज के माध्यम से जम्मू डिविजन में कौशल शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा।

विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय शॉर्ट टर्म प्रोग्राम को लागू करने में अपनी भूमिका निभाएगा। इन शॉर्ट टर्म प्रोग्राम में योग, अकाउंटिंग एंड फाइनेंस, रिटेल व टेली [illegible] पांच कोर्स करवाए जाएंगे। विश्वविद्यालय के मूल्यांकन एवं प्रमाणन विभाग की संयुक्त निदेशक अंबिका [illegible] ने बताया कि इन शॉर्ट टर्म कोर्स को लागू करने में विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय अपना हर प्रकार का सहयोग सुनिश्चित करेगा। कोर्स के डिजाइन से लेकर पाठ्यक्रम पर शिक्षकों के प्रशिक्षण और मूल्यांकन व प्रमाणन का काम विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की ओर से किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की डीन एकेडमिक्स प्रो. ज्योति राणा, स्किल इनोवेशन फाउंडेशन के संयुक्त निदेशक [illegible], [illegible] के [illegible] हेड [illegible] मिश्रा, कुलपति के ओएसडी [illegible] सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

समझौता पत्र के साथ अधिकारी।

आज समाज

Paper: Baskar

> इसको सिरे चढ़ाने के लिए जम्मू-कश्मीर की फैकल्टी को प्रशिक्षण देकर स्किल एजुकेशन के साथ उनका तारतम्य बनाया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में होगा कौशल विस्तार: नेहरू

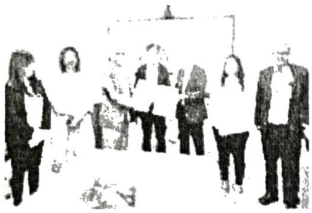

जंगशेर राणा/भास्कर ब्यूरो

चंडीगढ़। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय और हिंदू एजुकेशन सोसाइटी कश्मीर के बीच एक ऐतिहासिक करार हुआ है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के सहयोग से 80 साल पुरानी हिंदू एजुकेशन सोसाइटी कश्मीर के गांधी मेमोरियल कॉलेज में शॉर्ट टर्म कोर्स चलाए जाएंगे। इस एमओयू के माध्यम से जम्मू-कश्मीर में स्किल एजुकेशन और रोजगार के नए रास्ते खोलने की दिशा में महत्वपूर्ण काम होगा। जम्मू कश्मीर के हजारों युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार के साथ जोड़ा जाएगा। इसको सिरे चढ़ाने के लिए जम्मू-कश्मीर की फैकल्टी को प्रशिक्षण देकर स्किल एजुकेशन के साथ उनका तारतम्य बनाया जाएगा।

हिंदू एजुकेशन सोसाइटी जम्मू एवं कश्मीर की सबसे पुरानी शिक्षा समितियों में से एक है। यह समिति श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के सहयोग से अब जम्मू-कश्मीर में स्किल एजुकेशन और रोजगार पर बड़े पैमाने पर काम करेगी। बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू की उपस्थिति में कुलसचिव प्रो. आर.एस. राठौड़ और हिंदू एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. बीएल जुत्शी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। हिंदू एजुकेशन सोसाइटी कश्मीर देश की आजादी से पहले अस्तित्व में आई और जम्मू एवं कश्मीर में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। सोसाइटी द्वारा संचालित गांधी मेमोरियल कॉलेज ने देश को कई बड़ी हस्तियां दी हैं। सोसाइटी ने समय की जरूरत को देखते हुए अब कौशल शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल की है। इसी कड़ी में देश के पहले राजकीय कौशल विश्वविद्यालय श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ एक एमओयू साइन किया है।

यह एक सुखद संयोग ही है जब हिंदू एजुकेशन सोसाइटी कश्मीर के अध्यक्ष प्रो. बीएल जुत्शी श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ यह एमओयू साइन कर रहे थे, उनके छात्र रहे श्री राज नेहरू कुलपति के रूप में उनके सामने खड़े थे। श्री बीएल जुत्शी ने अत्यंत भावुकता के साथ कहा कि हमारी एजुकेशन सोसायटी ने समाज को जो दिया है, श्री राज नेहरू उसका एक अनुपम उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि अपने विद्यार्थी को एक कुलपति के रूप में पाकर और उनके ही विश्वविद्यालय के साथ यह एमओयू करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। इसके लिए उन्होंने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू एवं कुलसचिव प्रो. आर. एस. राठौड़ की सराहना की। श्री जुत्शी ने कहा कि इस पहल से पूरे जम्मू एवं कश्मीर के हजारों विद्यार्थियों को फायदा होगा। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति श्री राज नेहरू ने कहा कि हम देश के सभी राज्यों में कौशल शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में तत्पर हैं। इसी क्रम में जम्मू एवं कश्मीर की सबसे पुरानी संस्थाओं में से एक हिंदू एजुकेशन सोसायटी कश्मीर के साथ एमओयू साइन किया है। इस कवायद से जम्मू-कश्मीर में स्किल एजुकेशन और स्वरोजगार के प्रति एक अच्छा वातावरण तैयार होगा। हिंदू एजुकेशन सोसायटी कश्मीर के साथ श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय का यह एमओयू जम्मू कश्मीर के युवाओं के करियर के लिए बेहद निर्णायक साबित होगा। जम्मू कश्मीर के तकनीकी शिक्षा से जुड़े शिक्षकों को प्रशिक्षण देकर उन्हें और अधिक कुशल बनाया जाएगा। इसके माध्यम से जम्मू कश्मीर के संस्थानों और युवाओं को इंडस्ट्री के साथ मजबूती से जोड़ा जाएगा ताकि वह रोजगार के नए अवसरों का फायदा उठा सकें। श्री नेहरू ने बताया कि विद्यार्थियों के लिए वहां पर 5 शॉर्ट टर्म कोर्स चलाए जाएंगे।

h11

जम्मू-कश्मीर में होगा कौशल का विस्तार- राज नेहरू

113

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय और 80 साल पुरानी हिंदू एजुकेशन सोसाइटी कश्मीर के बीच हुआ एमओयू

जम्मू-कश्मीर में कौशल के माध्यम से रोजगार के नए अवसर पैदा करने की कवायद, हजारों विद्यार्थियों को कुशल बनाने का लक्ष्य

Desh Rozana

जम्मू-कश्मीर में होगा कौशल का विस्तार : नेहरू

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय और हिंदू एजुकेशन सोसायटी के बीच हुआ एमओयू

देश रोजाना, पलवल

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय और हिंदू एजुकेशन सोसाइटी कश्मीर के बीच एक ऐतिहासिक करार हुआ है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के सहयोग से 80 साल पुरानी हिंदू एजुकेशन सोसाइटी कश्मीर के गांधी मेमोरियल कॉलेज में शॉर्ट टर्म कोर्स चलाए जाएंगे। इस एमओयू के माध्यम से जम्मू कश्मीर में स्किल एजुकेशन और रोजगार के नए रास्ते खोलने की दिशा में महत्वपूर्ण काम होगा। जम्मू कश्मीर के हजारों युवाओं को हुनरमंद बनाकर उन्हें रोजगार के साथ जोड़ा जाएगा। इसको सिरे चढ़ाने के लिए जम्मू-कश्मीर की फैकल्टी को प्रशिक्षण देकर स्किल एजुकेशन के साथ उनका तारतम्य बनाया जाएगा।

हिंदू एजुकेशन सोसाइटी जम्मू एवं कश्मीर की सबसे पुरानी शिक्षा समितियों में से एक है। यह समिति श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के सहयोग से अब जम्मू कश्मीर में स्किल एजुकेशन और रोजगार पर बड़े पैमाने पर काम करेगी। बृहस्पतिवार को विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू की उपस्थिति में कुलसचिव

प्रो. आर.एस. राठौड़ और हिंदू एजुकेशन सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. बीएल जुत्शी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

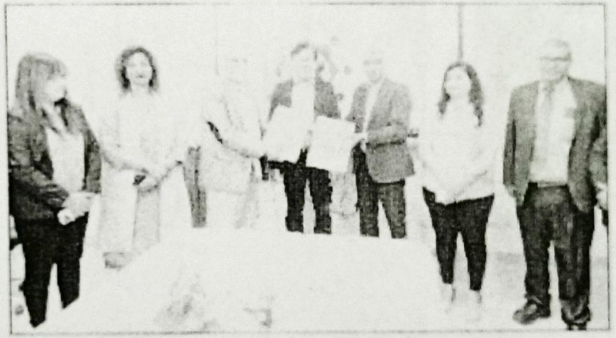

हिंदू एजुकेशन सोसाइटी कश्मीर देश की आजादी से पहले अस्तित्व में आई और जम्मू एवं कश्मीर में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। सोसायटी द्वारा संचालित गांधी मेमोरियल कॉलेज ने देश को कई बड़ी हस्तियां दी हैं। सोसाइटी ने समय की जरूरत को देखते हुए अब कौशल शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल की है। इसी कड़ी में देश के पहले राजकीय कौशल विश्वविद्यालय श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ एक एमओयू साइन किया है। यह एक सुखद संयोग ही है जब हिंदू एजुकेशन सोसाइटी कश्मीर के अध्यक्ष प्रो. बीएल जुत्शी श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के साथ यह एमओयू साइन कर रहे थे, उनके छात्र रहे राज नेहरू कुलपति के रूप में उनके सामने खड़े थे। बीएल जुत्शी ने अत्यंत भावुकता के साथ कहा कि हिंदू एजुकेशन सोसाइटी ने समाज को जो दिया है, राज नेहरू उसका एक अनुपम उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि अपने विद्यार्थी को एक कुलपति के रूप में देखकर और उनके ही विश्वविद्यालय के साथ यह एमओयू करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है।

इसके लिए उन्होंने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति राज नेहरू एवं कुलसचिव प्रो. आर.एस. राठौड़ की सराहना की। जुत्शी ने कहा कि इस पहल से पूरे जम्मू एवं कश्मीर के हजारों विद्यार्थियों को फायदा